

डॉ. जॉन ओसवाल्ट , निर्गमन, सत्र 6, निर्गमन 11-12

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉन ओसवाल्ट द्वारा निर्गमन की पुस्तक पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 6, निर्गमन 11-12 है।

आइए हम सब मिलकर प्रार्थना करें। हे प्रभु, हम आपकी उपस्थिति में आनन्दित होते हैं। आपका धन्यवाद। हम जानते हैं कि आप अपनी सृष्टि में हर जगह मौजूद हैं, लेकिन हम यह भी जानते हैं कि आप विशेष रूप से तब मौजूद होते हैं जब आपके लोग इकट्ठे होते हैं और जब आपका वचन खोला जाता है।

हम जानते हैं कि इस तरह की सभा का हिस्सा बनना आपको विशेष आनंद देता है, और हमें यह जानकर अविश्वसनीय खुशी होती है कि आप यहाँ हैं और सुन रहे हैं और देखभाल करने में शामिल हैं। धन्यवाद, प्रभु। आप जानते हैं कि हम इस कमरे में जो ज़रूरतें लेकर आए हैं, शारीरिक, आध्यात्मिक, वित्तीय, भावनात्मक, भविष्य की चिंताएँ, अतीत की चिंताएँ, वे सभी चीज़ें जो हम आपके चरणों में रखते हैं, हे प्रभु, और प्रार्थना करते हैं कि आप उन्हें ले लें और उनमें से किसी को भी आज रात आपके वचन के इस अध्ययन के माध्यम से जो आप कहना चाहते हैं, उससे हमें विचलित न करने दें। धन्यवाद। आपके नाम में, हम प्रार्थना करते हैं। आमीन।

ठीक है। आज रात, हम आखिरी विपत्ति, विपत्ति संख्या 10 पर आते हैं। इस खंड के बारे में दिलचस्प बातों में से एक यह है कि जिस तरह से फसह को इसमें शामिल किया गया है।

मुझे नहीं पता कि आपने आगे देखा है या नहीं, लेकिन अगर आपने देखा है, तो आप जानते हैं कि अध्याय 12 के अंत में, लोगों के देश से बाहर चले जाने के बाद, हमारे पास फसह के बारे में कुछ और चर्चा है। फिर, हमारे पास ज्येष्ठ पुत्र के अभिषेक के बारे में चर्चा है। इसलिए, मैं चाहता हूँ कि आप इस बारे में सोचें कि ऐसा क्यों हो सकता है।

यह इन घटनाओं में क्यों शामिल है? और हम इस बारे में दो सप्ताह बाद फिर से बात करेंगे जब हम अध्याय 12 के अंत को देखेंगे। मैंने बार-बार कहा है कि विपत्तियाँ मिस्र के देवताओं पर हमले हैं। कई मायनों में, मिस्र के लोगों द्वारा पूजी जाने वाली सभी चीज़ों में से जीवन सूची में सबसे ऊपर था।

नील नदी से शुरू करते हैं, जिसने मिस्र को संभव बनाया। यह सूर्य के माध्यम से सीधे ऊपर आ रही थी, जैसा कि हमने पिछली बार देखा था। लेकिन यहाँ अंतिम है: जीवन।

हमने कई तरह से इस बारे में बात की है कि कैसे मिस्र के लोग अगली पीढ़ी के लिए, अगली दुनिया के लिए जीवन को संरक्षित करने के बारे में इतने जुनूनी हैं। और इसलिए एक बार फिर, यह बिल्कुल भी आकस्मिक नहीं है कि यह आखिरी विपत्ति, वास्तव में, जीवन को ही लक्षित करे। फिर से, हमने हमेशा कहा है कि भगवान जो कह रहे हैं वह यह है कि जो कुछ भी आपको लगता है कि मेरे अलावा जीवन देता है, वह वास्तव में मृत्यु देता है।

और ऐसा ही जीवन के साथ भी है। जैसा कि हम अब जानते हैं कि जीवन अनिवार्य रूप से मृत्यु की ओर ले जाता है। और इसलिए, परमेश्वर कह रहा है कि जीवन के स्रोत के रूप में आप जो कुछ भी मेरे स्थान पर रखेंगे, वह आपको विफल कर देगा।

और यहाँ यह इस उदाहरण में है। जैसा कि मैंने वहाँ नोट में बताया है, ज्येष्ठ पुत्र इस बात की गारंटी है कि जीवन इस पीढ़ी से अगली पीढ़ी तक आगे बढ़ेगा और वंश आगे बढ़ेगा। और इसलिए ज्येष्ठ पुत्र पर यह स्पर्श जीवन की पीढ़ी पर ही एक स्पर्श है।

ठीक है, मैं इस समय उन पृष्ठभूमि नोटों के बारे में अधिक नहीं कहूंगा। मुझे उम्मीद है कि आपको उन्हें देखने का मौका मिला होगा क्योंकि हम दो सप्ताह से दूर हैं। लेकिन अगर आपके पास उनके बारे में कोई सवाल है, तो हम उन पर वापस आएं।

अध्याय 11 की पहली आयत में प्रभु ने मूसा से कहा, " मैं फिरौन और मिस्र पर एक और विपत्ति लाऊंगा। उसके बाद वह तुम्हें यहाँ से जाने देगा। जब वह तुम्हें जाने देगा, तो वह तुम्हें पूरी तरह से भगा देगा।"

अब, आपको क्या लगता है, इस कथन का क्या महत्व है? और जैसा कि मैं यहाँ कहता हूँ, इसे यहोवा और फिरौन के बीच हुए संघर्ष में पहले जो कुछ हुआ है, उससे जोड़कर देखिए। हाँ। हाँ।

मैंने जो कुछ भी कहा है, वह सब होने जा रहा है, और वह न केवल उन्हें जाने देगा। वह और क्या करने जा रहा है? वह उन्हें बाहर निकाल देगा। इसलिए, यह केवल ऐसा मामला नहीं है कि, ठीक है, आप जा सकते हैं।

यह सिर्फ बाहर निकलो, बाहर निकलो, बाहर निकलो का मामला नहीं है। यह सिर्फ इतना नहीं है कि, ठीक है, तुम जा सकते हो। इसलिए, यह सिर्फ भगवान की कही हुई बातों को मानने का मामला नहीं है।

वास्तव में, यह उन्हें बलपूर्वक बाहर निकाल रहा है। वास्तव में, यहोवा हर मायने में विजेता रहा है। यह सही है।

यह सही है। वह तुम्हें बाहर निकाल देगा। ठीक है, अब, श्लोक दो।

अब लोगों के सामने यह कहो कि हर आदमी अपने पड़ोसी से, हर औरत अपने पड़ोसी से चाँदी और सोने के गहने माँगे। अब। यह, वास्तव में, तीन बार में से एक बार कहा गया है।

अध्याय 3, श्लोक 21 और 22 पर नज़र डालें। किसी ने इसे पढ़ा। महिला पड़ोसी है।

हाँ। तो यह पहली बार है। और परमेश्वर ने मूसा को यह बात तब बताई जब मूसा अभी भी रेगिस्तान के पीछे जलती हुई झाड़ी के सामने था।

अब, यह फिर से यहाँ है। और फिर अध्याय 12, श्लोक 35 और 36 को देखें। और उन्होंने सोने की मांग की थी और लोगों को मिस्रियों की नज़र में अनुग्रह दिया था।

इसलिए उन्होंने उन्हें वह सब दिया जो उन्होंने मांगा था। इस प्रकार, उन्होंने मिस्र को लूट लिया। अब, मैंने दोहराव के बारे में क्या कहा है? हाँ।

अगर कोई बात बार-बार दोहराई जाती है, तो वह महत्वपूर्ण होती है। और भगवान हमारा ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं, और वह कोई बात कहना चाह रहे हैं। अब सवाल यह है कि कौन-सी बात कहना चाहते हैं? हाँ।

अब अध्याय 35, श्लोक 20 पर वापस लौटें; सोने का बछड़ा खत्म हो चुका है। भगवान ने उन्हें माफ कर दिया है। उसने उन्हें मिटाया नहीं है।

और अब मूसा कहता है, अब हम इसे वैसे ही करेंगे जैसा परमेश्वर ने योजना बनाई थी। हुह? तब इस्राएल के लोगों की सारी मण्डली मूसा के सामने से चली गई और वे आए। हर कोई जिसका दिल उसे प्रेरित करता था, हर कोई जिसकी आत्मा उसे प्रेरित करती थी और यहोवा के लिए भेंट लेकर आया, ताकि उसका उपयोग मिलापवाले तम्बू और उसकी सारी सेवा और सारे पवित्र वस्तु के लिए किया जा सके।

इसलिए, वे सभी पुरुष और महिलाएँ, जो भी अपनी इच्छा से आए, ब्रोच, बालियाँ, अंगूठियाँ और बाजूबंद, सभी प्रकार की सोने की वस्तुएँ लेकर आए। प्रत्येक व्यक्ति ने यहोवा को सोने की भेंट चढ़ाई। जिस किसी के पास नीला, बैंगनी या लाल रंग का कपड़ा, बढ़िया सनी का कपड़ा, बकरी का बाल, या सना हुआ बकरी का चमड़ा या बकरी का चमड़ा था, वे उसे ले आए।

जो कोई भी चाँदी या पीतल का दान दे सकता था, वह उसे प्रभु के पास ले आया। सत्ताईसवीं आयत में, अगुवे गोमेद पत्थर और जड़ने के लिए पत्थर लाए। यह सब कहाँ से आया? मिस्र से आया, है न? ये लोग ईट भट्टों में गुलाम थे।

उनके पास ऐसा कुछ भी नहीं था। अब, इससे क्या पता चलता है? यह सावधानीपूर्वक तैयारी तीन बार की गई थी। दो बार आदेश दिया गया कि ऐसा करो, और एक बार रिपोर्ट दी गई कि उन्होंने ऐसा किया।

यह होने जा रहा है, होने जा रहा है। और मिस्र से बाहर निकलने का अंतिम उद्देश्य क्या है? पूजा। पूजा।

याद रखो, यही बात मूसा ने फिरौन से बार-बार कही थी। चलो, हम जंगल में जाकर यहोवा की आराधना करें।

अब, फिर से, जैसा कि मैंने कुछ सप्ताह पहले कहा था और हमने इस बारे में बात की थी, ऐसे लोग हैं जो कहते हैं, ठीक है, यह भ्रामक था। वास्तव में, उन्होंने हमें जाने दिया ताकि हम स्वतंत्र

हो सकें और यहाँ से चले जाएँ और फिर कभी वापस न आएँ और कनान जाएँ। इसलिए, रेगिस्तान में परमेश्वर की आराधना करने वाली बातें भ्रामक थीं।

मैं इस पर एक मिनट के लिए भी विश्वास नहीं करता। अंतिम उद्देश्य कनान नहीं है। अंतिम उद्देश्य उनकी उपस्थिति में परमेश्वर का होना है, और यह ईसाई जीवन से सीधे संबंधित है।

ईसाई जीवन का अंतिम लक्ष्य क्या है? स्वर्ग नहीं। अब, स्वर्ग के लिए परमेश्वर का धन्यवाद। बेशक, वे कनान जा रहे थे।

परमेश्वर ने इसका वादा किया था। लेकिन हम अध्याय 33 में देखेंगे कि परमेश्वर कहता है, अब, देखो मूसा, तुम आगे बढ़ो और कनान जाओ। मैं अपना दूत भेजूंगा, और वह तुम्हारी रक्षा करेगा, और तुम वहाँ पहुँच जाओगे।

लेकिन मैं तुम्हारे साथ नहीं जा सकता। और मूसा कहता है, तो हम नहीं जा रहे हैं। यहोवा के बिना कनान कनान नहीं है।

यहोवा के साथ जंगल में रहना, उसके बिना कनान में रहने से बेहतर है। इसलिए, मूसा जो कह रहा था, उसमें कोई भी धोखा देने वाली बात नहीं थी। वास्तव में, वह बहुत ही स्पष्ट था।

हम यहाँ से इसलिए जा रहे हैं ताकि हम उस ईश्वर की पूजा कर सकें जो मिस्र के देवताओं में से एक नहीं है, बल्कि जो वास्तव में मिस्र सहित सभी चीज़ों का ईश्वर है। ज़रूर है। नहीं, यह एक बेहतरीन सवाल है।

सवाल यह है कि हम उस मामले में उपासना को कैसे परिभाषित करते हैं? क्या यह कार्य है? क्या यह अधिक संबंधपरक है? और जहाँ तक मेरा सवाल है, इसका उत्तर यह है कि यह फिर से संबंधपरक है, जैसा कि मैंने आपसे पहले भी कहा है और फिर से कहूँगा क्योंकि मैं भूल जाऊँगा कि मैंने इस बार आपसे यह कहा था। हिब्रू शब्द का अंग्रेजी में अनुवाद उपासना के रूप में किया गया है।

इसका मतलब है अपने चेहरे के बल गिरना। जब भी आप उन्हें अपनी अंग्रेजी बाइबिल या पुराने नियम में देखते हैं, तो वे भगवान की पूजा करते हैं। यह कहता है कि वे भगवान के सामने अपने चेहरे के बल गिर गए। इसलिए, जब लोग कहते हैं, तो मुझे थोड़ी हंसी आती है, आइए हम पूजा के उचित दृष्टिकोण में खड़े हों।

नहीं। जब आप अपने चेहरे के बल लेट जाते हैं तो गाना मुश्किल होता है, है न? यह एक युवा किशोर था जो न्यूयॉर्क के चर्च में प्रभु के पास आया था जहाँ से वह आया था। और मुझे याद है, अब मैं इसका पूरा संदर्भ भूल गया हूँ, लेकिन वह वेदी पर गया, और वह अपने चेहरे के बल लेट गया।

और हममें से बहुतों ने, शायद मुझ समेत, सोचा, ओह, चलो, तुम सच में बहुत आगे बढ़ रहे हो, है न? लेकिन उसका अधिकार था। हाँ। हाँ।

तो, हाँ, अब मुझे लगता है कि पूजा में क्रियाएँ शामिल हैं क्योंकि हम शरीर और आत्मा हैं। हमें अपने शरीर के साथ ऐसे काम करने होते हैं जो यह प्रमाणित करते हैं कि हमारी आत्मा कहाँ है। लेकिन अगर आप सिर्फ अपने शरीर के साथ कुछ करते हैं, और आपकी आत्मा कहीं और होती है, तो भगवान को पेट में दर्द होता है।

तो फिर, जब उनके लिए समय आया, जैसा कि बाद में यहाँ दिखाया गया है, कि वे वास्तव में परमेश्वर की आराधना करें, तो उनके पास भौतिक लाभ थे जो वास्तव में ऐसा लग रहा था जैसे कि यह उनका था क्योंकि उन्होंने इसे उन्हें दे दिया था, लेकिन उन्हें इसे परमेश्वर को वापस देना था। बिल्कुल, बिल्कुल। और फिर, वहाँ धर्मशास्त्र है।

यह कैसा ईश्वर है जो मेरे पैसे का 10% मांगता है? यह कैसा ईश्वर है जो मुझे अपने पैसे का 90% खर्च करने देता है? ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं। मैं एक रिश्ते के रूप में पूजा के बारे में एक और शब्द कहना चाहता हूँ। आखिरकार, ईश्वर जो चाहता है वह हमारे साथ रिश्ता है।

यह एक ऐसा रिश्ता है जो सिर्फ एक मूल्यवान रिश्ता हो सकता है। यह एक ठोस रिश्ता है अगर हम सच में समझते हैं कि हम प्राणी हैं और वह निर्माता है। इसलिए इस रिश्ते के ज़रिए पूजा प्रवाहित होनी चाहिए।

अगर मैं ईश्वर को स्वर्ग में अपना अच्छा दोस्त मानता हूँ, तो यह एक पूजा वाला रिश्ता नहीं है। अगर मैं ईश्वर को एक छोटी सी प्रार्थना मशीन के रूप में देखता हूँ जो मेरे बिस्तर के नीचे रहती है और जिसे मेरी प्रार्थनाओं का उत्तर पाने के लिए नियमित रूप से चालू किया जाता है, तो यह एक पूजा वाला रिश्ता नहीं है। लेकिन अगर मैं वास्तव में जानता हूँ कि वह कौन है, मैं कौन हूँ, और उसने मेरे लिए क्या किया है, तो वह रिश्ता एक पूजा वाला रिश्ता होगा।

ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं। 11:4-10, इस विपत्ति के बारे में सोचते हुए, अध्याय एक, पद 16 और 22:22 पर विचार करें। परमेश्वर क्या कहता है? अध्याय एक, पद 16।

या बाइबल क्या कहती है? और उसने कहा, जब तुम दुष्ट महिलाओं के लिए दाई का काम करो और उन्हें जन्म देने वाली कुर्सी पर देखो, अगर वह बेटा है, तो तुम्हें उसे मार देना चाहिए, लेकिन अगर वह बेटा है, तो उसे जीवित रहना चाहिए। हाँ, श्लोक 22। तो, कौन अधिक क्रूर है, फिरौन या यहोवा? यहोवा ने केवल ज्येष्ठ पुत्रों को लिया।

फिरौन सभी बेटों को ले जा रहा था। बार-बार, जब हम बाइबल में ऐसी चीजें देखते हैं जो हमें परेशान करती हैं, तो हमें उन्हें संदर्भ में रखना चाहिए और उससे जुड़ी हर चीज के बारे में सोचना चाहिए। मुझे लगता है कि यह बहुत आसान है, यह सोचना कि मेरे लिए यह 11वीं बात पढ़ना और यह कहना निश्चित रूप से आसान है, भगवान, इन ज्येष्ठ पुत्रों को मारना कितना क्रूर है।

और यह एक ऐसा अर्थ है जिसमें भगवान कहते हैं, अरे, उनके पास नौ मौके थे। उन्होंने मेरे सभी बच्चों को मार डाला, सभी लड़कों को। ठीक है, आपको अभी तक समझ नहीं आया।

यह आ गया। अब, ओह, आइए अध्याय चार, श्लोक 22 और 23 को देखें। तब तुम फिरौन से कहोगे, यहोवा यों कहता है, इस्राएल मेरा पुत्र, मेरा जेठा है।

इसलिए, मैं तुमसे कहता हूँ, मेरे बेटे को जाने दो, और वह मेरी सेवा करे, कि वह मेरी सेवा करे। लेकिन अगर तुम उसे जाने से मना करोगे, तो मैं तुम्हारे बेटे, तुम्हारे जेठे को मार डालूँगा। हाँ, अध्याय चार में वापस, परमेश्वर कहता है, यहाँ हम कहाँ जा रहे हैं, हे फिरौन।

यह वाकई व्यक्तिगत हो रहा है। मेरा मतलब है, वह, मुझे लगता है, फिरौन है; अगर भगवान कहते हैं, ठीक है, मैं उसके सभी बेटों को मारने जा रहा हूँ, हाँ, इज़राइल कह रहा है कि यह मेरा है। आपका ज्येष्ठ पुत्र, हाँ, हाँ।

तो फिर, अब हम नये नियम पर चलते हैं। मत्ती अध्याय दो, आयत 16. मत्ती 2, 16.

तब हेरोदेस ने जब यह देखा, तो वह क्रोधित हो गया, और उसने कहा कि उसने बेथलहम और उसके आस-पास के सभी लड़कों को जो दो वर्ष या उससे छोटे थे, उस समय के अनुसार मार डाला है, जो उसने ज्योतिषियों से पूछा था। हाँ, हाँ। और फिर यूहन्ना 3, 16।

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। इसलिए, यहाँ ज्येष्ठ पुत्र वाली बात चल रही है, और अंत में, जगत के पापों के लिए, परमेश्वर अपना ज्येष्ठ पुत्र देने जा रहा है। इसलिए, इन सभी विषयों को एक साथ समझना होगा।

जब हम यह कहने की कोशिश करते हैं कि, अच्छा, परमेश्वर का ऐसा करना अनैतिक था। क्या ऐसा था? ठीक है, निर्गमन अध्याय 11, श्लोक सात पर वापस आते हैं। यहाँ 'नहीं' का संदेश क्या है? कोई भी कुत्ता इस्राएल के लोगों में से किसी के विरुद्ध नहीं गुर्राएगा, चाहे वह मनुष्य हो या पशु, ताकि तुम जान सको कि यहोवा मिस्र और इस्राएल के बीच भेद करता है।

हमने पहले भी कई बार ऐसा देखा है, और मेरे मन में यह सवाल उठता है। यह जानना क्यों ज़रूरी है? हम्म-हम्म, हम्म-हम्म, यह इसका एक हिस्सा है। हम्म-हम्म, और याद रखें कि हमने चमत्कारों की पहचान के बारे में क्या कहा था।

तो, सभी ज्येष्ठ बच्चे मर जाते हैं। आप क्या कह सकते हैं? यह एक दुर्घटना थी, यह एक वायरस था। लेकिन मिस्रियों के ज्येष्ठ बच्चे मर जाते हैं, और इब्रानियों के ज्येष्ठ बच्चे नहीं मरते।

यह सिर्फ़ एक वायरस नहीं है। इसलिए, यह चमत्कार की पहचान करने और यह प्रदर्शित करने का एक तरीका है कि यह वास्तव में एक चमत्कारी घटना है और सिर्फ़ एक प्राकृतिक घटना नहीं है। लेकिन यह हमें अध्याय 12 पर ले जाता है।

याद रखें कि यह पहली बार नहीं है जब परमेश्वर ने कोई भेद किया है। क्या आपको याद है कि दूसरे भेद क्या थे? अंधकार। जी हाँ, इस्राएल में उजाला था और मिस्र में अंधकार।

कोई और? यह सही है, ओले मिस्रियों पर गिरे, लेकिन इस्राएलियों पर नहीं। तो, परमेश्वर ने पहले ही यह प्रदर्शित कर दिया है। वह फिर से ऐसा क्यों नहीं कर सकता, ठीक है? मिस्र के ज्येष्ठ पुत्र मर जाएँगे, लेकिन इब्रानी ज्येष्ठ पुत्र नहीं मरेंगे।

यह अनुष्ठान क्यों? ठीक है, लेकिन फिर से, अगर अंतर करना महत्वपूर्ण बात है, तो भगवान ऐसा क्यों नहीं करते? उन्हें उस छूट के लिए यह अनुष्ठान क्यों करना पड़ा? यह मिस्रियों के बारे में बिल्कुल नहीं है, और यह भगवान के बारे में है। ठीक है। यह भगवान मिस्र के सभी अन्य देवताओं से ऊपर है; काश यह भगवान यह चमत्कार कर पाता।

ठीक है, ठीक है। यह ईश्वर हिब्रू इज़राइल है। हाँ, लेकिन क्या वह उन्हें छूट देकर ऐसा नहीं कर सकता था? मेमने और खून और उस सब के बारे में यह क्या बात है? छूट पाने के लिए उन्हें ऐसा क्यों करना पड़ता है? एक स्मारक स्थापित करने के लिए।

एक स्मारक स्थापित करना। अब, यह क्यों महत्वपूर्ण है? खैर, वे अभी भी ऐसा करते हैं। यह काम कर गया।

ठीक है। पीढ़ियों के लिए। ठीक है, यह सिखाने के लिए है, हाँ।

मसीह के साथ स्नान करने के लिए, है न? हाँ, हाँ, हाँ। हम यहाँ किस बारे में बात कर रहे हैं? हम अंतिम महान शत्रु के बारे में बात कर रहे हैं। दुनिया में मृत्यु क्यों है? यदि आप उस फल को खाते हैं, तो आप मर जाएँगे।

और शैतान कहता है, नहीं, तुम नहीं करोगे - आश्चर्य है कि इस मामले में कौन सही है। तो, हम प्राकृतिक आपदाओं के बारे में बात नहीं कर रहे हैं।

हम ओलावृष्टि की बात नहीं कर रहे हैं। हम सूर्यग्रहण की बात नहीं कर रहे हैं। हम जानवरों पर महामारी की बात नहीं कर रहे हैं।

हम जीवन के हर पहलू में इस मुद्दे पर बात कर रहे हैं। यह छूट कैसे प्राप्त की जाएगी? अब, यह काफी गहन धर्मशास्त्र है। भगवान सीधे क्यों नहीं कह सकते, चलो मृत्यु से छुटकारा पा लेते हैं? अब जाहिर है, भगवान अपनी सारी शक्ति के संदर्भ में ऐसा कर सकते हैं, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सकते।

वह ऐसा क्यों नहीं कर सकता? ठीक है, न्याय, कारण और प्रभाव का मुद्दा। मैंने पहले भी इस उदाहरण का इस्तेमाल किया है। मैं ऊँची इमारत से नीचे उतरता हूँ क्योंकि मैं उड़ना चाहता हूँ।

क्या होने वाला है? स्लैट, हाँ। शरीर अभी तक ऐसा नहीं बना है जो नीचे अचानक रुकने का सामना कर सके। अब, क्या यह कोई दुष्ट ईश्वर कर रहा है? नहीं, यह कारण और प्रभाव है।

दुनिया इसी तरह बनी है। इसलिए, अगर भगवान सिर्फ आदेश देकर कारण और प्रभाव की दुनिया में हस्तक्षेप करें, तो जो आत्मा पाप करती है, वह दुनिया टुकड़े-टुकड़े हो जाएगी। आप उस दरवाजे से बाहर निकलकर अटलांटिक महासागर में जा सकते हैं।

वाह, चलो फिर से कोशिश करते हैं। ओह, आल्प्स। तो, मैं भगवान की क्षमता के दृष्टिकोण से कहता हूँ, हाँ, वह बस घोषित कर सकता था, हम बस यह भूल जाएंगे कि लोग मरने वाले नहीं हैं।

लेकिन अगर वह ऐसा करता, तो उसकी बनाई हुई सृष्टि टुकड़े-टुकड़े हो जाती। तो, क्या किया जाना चाहिए? दुनिया में मृत्यु के बारे में क्या किया जाना चाहिए? फिरौन का ज्येष्ठ पुत्र मर जाता है। और परमेश्वर का ज्येष्ठ पुत्र मर जाता है।

और परमेश्वर का ज्येष्ठ पुत्र मर जाता है। ऐसा करने के लिए आइए हम अब्राहम और इसहाक के साथ मोरिया पर्वत पर वापस जाएँ। ताकि मुझे और मेरे ज्येष्ठ पुत्र को मरने की ज़रूरत न पड़े।

ठीक है, तो जैसा कि कहा गया है, यह अनुष्ठान मसीह की ओर इशारा करता है। और मैं तर्क दूंगा, मुझे लगता है, जैसा कि मैंने किया है, बहुत जोरदार तरीके से। मुझे नहीं लगता कि इसके लिए कोई और स्पष्टीकरण है।

भगवान ऐसा इसी के साथ क्यों करते हैं और किसी और के साथ क्यों नहीं? और इसका जवाब यह है कि हम यहाँ कहाँ जा रहे हैं। यह सिर्फ इतना ही नहीं है कि उन्हें याद रखना चाहिए कि भगवान ने क्या किया है। इसे हर साल एक मरे हुए मेमने के साथ याद किया जाता है जिसका खून दरवाजे की चौखट पर लगाया जाता है।

भगवान यहाँ क्या कह रहे हैं, दोस्तों? देखो, भगवान के मेमने को देखो जो दुनिया के पाप को दूर करता है। मैं आपको बताता हूँ, वह कठोर बूढ़ा आदमी जो सूखे टिड्डों पर रहता था और ऊँट के बालों की कमीज़ पहनता था, वह एक बहुत ही गंभीर धर्मशास्त्री था। यह मेरा चचेरा भाई है।

मेरा चचेरा भाई वही है जो फसह के बारे में था। वाह, वाह। ठीक है, मेमना, श्लोक पाँच, एकदम सही होना चाहिए।

अब मेरा अनुवाद यहाँ कहता है कि दोष रहित। आप में से कुछ लोग क्या कहते हैं? दोष रहित, कोई और? यह पुराने नियम में एक महत्वपूर्ण शब्द है। और ग्रीक संस्करण, सेप्टुआजेंट में इसके अनुवाद से, यह नए नियम में महत्वपूर्ण हो जाता है।

यह शब्द है तमीम। इसका मूल मूल शब्द है तम, जिसका अर्थ है संपूर्ण होना, पूर्ण होना, वह सब जिसकी अपेक्षा की जाती है। इसका प्रयोग बलि के जानवरों के लिए 50 से अधिक बार किया गया है।

आप तीन पैरों वाले मेमने की बलि नहीं दे सकते। आप गंजे बकरे की बलि नहीं दे सकते। अब यह दिलचस्प है, यह ज़रूरी नहीं कि एक शो मेमना हो, लेकिन यह एक ऐसा मेमना है जो एक मेमने से उचित रूप से अपेक्षित होता है।

राजा जेम्स ने इस शब्द का सटीक अनुवाद किया है। और पिछले सौ सालों से लोगों को इससे परेशानी होती रही है। इससे पहले ऐसा नहीं था।

हमारे लिए, परफेक्ट का मतलब है दिखावा। इसका मतलब है कि ऐसी बहुत सी चीज़ों पर अचूक होना जो वैध नहीं हैं।

इसलिए, जैसा कि हमने यहाँ देखा है, आधुनिक संस्करण पूर्णता के विचार से दूर चले गए हैं। और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर पूर्णता में समस्याएँ हैं, तो संपूर्ण और बेदाग में भी समस्याएँ हैं।

उन्होंने हमें छोड़ दिया। इस शब्द का अनुवाद कुछ ग्रीक शब्दों के साथ किया गया है, और हमारा समय बीत रहा है, इसलिए मैं उस पर काम करने के लिए समय नहीं लूंगा। लेकिन वे सीधे नए नियम में आते हैं।

यह शब्द ग्रीक भाषा के ज़रिए नए नियम में आता है, और यह एक ऐसे मसीही के बारे में बात करता है जो एक मसीही से अपेक्षित सब कुछ है। अचूक, नहीं। दिखावटी, नहीं।

लेकिन वह सब कुछ जिसकी उम्मीद की जा सकती थी। अब, हमें इसके लिए भगवान पर विश्वास क्यों नहीं करना चाहिए? मैं शायद एक उपदेश देने जा रहा हूँ जिसे मैं कुछ हफ्तों में प्रचार करूँगा, लेकिन यह ठीक है। दोहराव शिक्षा की आत्मा है।

मैं हमारे कई चर्चों में इस्तेमाल किए जाने वाले स्वीकारोक्ति फॉर्म से परेशान हूँ। हाँ, पिछले हफ्ते मैंने आपका दिल तोड़ा है, मैंने आपका नियम तोड़ा है, मैंने वो काम किए हैं जो मुझे नहीं करने चाहिए थे, मैंने वाकई बहुत गड़बड़ की है, मैं एक भयानक इंसान हूँ, लेकिन भगवान, अगर आप मुझे माफ़ कर देंगे, तो मैं अगले हफ्ते तक ऐसा दोबारा नहीं करूँगा जब मैं वापस आकर वही स्वीकारोक्ति करूँगा।

इसमें कुछ गड़बड़ है। इसमें कुछ बहुत ही गड़बड़ है। अगर मैं हर हफ्ते कैरेन से यही कहता, तो मुझे उम्मीद थी कि दो हफ्ते तक ऐसा करने के बाद वह मुझे सड़क पर फेंक देगी।

नहीं। क्या इसका मतलब यह है कि मैं एक आदर्श पति हूँ? वह यहाँ है? मैं ऐसा नहीं कह सकता। आदर्श का मतलब है कि मैं अचूक हूँ? नहीं, लेकिन मैं तुम्हें यह बताऊँगा, मैं तुम्हें यह बताऊँगा।

ईमानदारी और विनम्रता से मैं पूरी तरह से उसकी हूँ। मुझे पता है कि इससे आपमें से बहुत सी महिलाओं को राहत मिलती है। मैं पूरी तरह से उसकी हूँ।

कोई अगर-मगर नहीं। क्या मैं ऐसी चीज़ें करता हूँ जिससे वह परेशान होती है? हाँ, मुझे यह कहते हुए खेद है कि मैं ऐसा करता हूँ। क्योंकि मेरा इरादा ऐसा करने का है? नहीं, नहीं।

तो, क्या चर्च में स्वीकारोक्ति के लिए कोई जगह है? हाँ, है। प्रभु, अगर मैंने इस सप्ताह कुछ ऐसा किया है जिससे आपको ठेस पहुँची है, जिससे आपके नाम पर कलंक लगा है, तो मुझे पर दया करें, मुझे माफ़ करें। अगर मुझे क्षतिपूर्ति करने की ज़रूरत है, तो मुझे बताएँ और मैं करूँगा।

हाँ, अनजाने में किए गए पाप के लिए, हाँ, हमें स्वीकार करना चाहिए। और जब तक हम इस शरीर में रहते हैं, हम अनजाने में पाप करते रहेंगे। अब, उम्मीद है कि यह हर बार एक जैसा नहीं होगा।

उम्मीद है कि हम सीखेंगे, लाभ उठाएंगे और आगे बढ़ेंगे। लेकिन अगर मुझे हर रविवार को यीशु से कहना पड़े कि हे यीशु, मैंने इस सप्ताह तुम्हारे चेहरे पर तमाचा मारा है, तो माफ़ करना। अगले सप्ताह मिलते हैं।

कुछ तो बहुत गलत है। तो, यह मेमना वह सब है जिसकी एक मेमने से उम्मीद की जा सकती है। फिर से, यह झुंड में सबसे सुंदर नहीं हो सकता है।

यह झुंड में सबसे बड़ा नहीं हो सकता है। लेकिन यह वह सब है जो एक मेमने से अपेक्षित हो सकता है। क्या आप और मैं ऐसा जीवन जी सकते हैं? मुझे लगता है कि बाइबल यही कहती है।

मुझे लगता है कि कैथोलिक धर्मविधि में से कुछ में पर्याप्त मेमने के बारे में बात की जाती है। मुझे लगता है कि यह एक अच्छा शब्द है। हाँ, हाँ, हाँ, हाँ, यह सब ज़रूरी है।

और इसलिए, मैं आपसे आग्रह करूँगा कि आप न्यू टेस्टामेंट पढ़ते समय अपने साथ किंग जेम्स भी रखें। किंग जेम्स में, जहाँ तक मुझे याद है, 58 बार परफेक्ट शब्द आया है। NIV में यह 21 बार आया है, लगभग सभी बार ईश्वर के संदर्भ में।

लेकिन अजीब बात यह है कि भजन संहिता में कहा गया है, "परमेश्वर जिसका मार्ग सिद्ध है, मेरा मार्ग भी वही बनाता है।" एनआईवी, निर्दोष, वही शब्द, वही शब्द। क्या हमारी सिद्धता परमेश्वर की सिद्धता के बराबर है? बिलकुल नहीं।

लेकिन समग्रता में, मात्रा में, क्यों नहीं? क्यों नहीं? क्यों नहीं मानूँ कि मसीह के साथ मेरा रिश्ता कम से कम कैरन के साथ मेरे रिश्ते जितना अच्छा हो सकता है? ठीक है, मैं अपने साबुन के डिब्बे से नीचे उतरता हूँ। 12, एक से 11, नंबर तीन, घर के सभी सदस्यों को वध में भाग लेने की आवश्यकता क्यों है? आप क्या सोचते हैं? क्योंकि हर कोई इस मौत में शामिल है। मैं यह नहीं कह सकता कि, पिताजी ने मेमने को मार डाला।

हा, हा, हा, पापा के लिए बहुत बुरा हुआ। नहीं, सर, बेटा, यहाँ आओ। तुम उसका सिर पकड़ो। क्यों, पापा? क्योंकि मेमना तुम्हारे लिए और मेरे लिए भी मर रहा है।

ओह, पूरा परिवार, हाँ। पूरे परिवार को कुछ करना होगा। यही तो लिखा है।

12, छः। ठीक है, और यह विशेष संस्करण मण्डली की पूरी सभा कहता है, लेकिन वास्तव में, यह मण्डली का पूरा, हर घराना है। ठीक है, अब, खून का क्या महत्व है? खून को दरवाजे की चौखट पर लगाओ।

यह जीवन है, जीवन की अभिव्यक्ति है। क्या यीशु के खून में कोई जादू है? नहीं, मुझे लगता है कि हम कह सकते हैं कि उसका खून हमारे खून जैसा ही था, लेकिन यह परमेश्वर का जीवन है। और यही वह जगह है जहाँ बार-बार धर्मशास्त्री खून से दूर जाने की कोशिश करते हैं।

उन्हें यह पसंद नहीं है क्योंकि यह गन्दा है। और यह यीशु की मृत्यु है। आत्मा का जीवन रक्त में है।

और इसलिए, प्रकाशितवाक्य में, हमारे पास पृथ्वी की नींव से मारे गए एक मेमने का वह भयानक, भयानक चित्र है जो सिंहासन पर बैठा है। इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है कि इस मेमने का गला कटा हुआ है और उसमें से खून बह रहा है। एक बदसूरत तस्वीर के बारे में बात करें, लेकिन यही पूरी बात है।

यह पूरी बात है। जीवन शक्ति का समर्पण। और दरवाजे के खंभों के बारे में क्या? इसे दरवाजे के खंभों पर क्यों लगाया जाता है? और मैं आपसे व्यवस्थाविवरण 6:9 देखने के लिए कहता हूँ। हमारे पास वहाँ क्या है, कोई? क्या कोई होमवर्क कर रहा है? व्यवस्थाविवरण 6, 9। दरवाजे के खंभों पर क्या लिखा होता है? व्यवस्थाविवरण 6, 9 में। शास्त्र।

आपको दरवाजे के खंभे में एक छोटा सा छेद मिला है जिस पर एक दरवाज़ा है। व्यवस्थाविवरण 6 के इस हिस्से की एक प्रति है। आप दरवाजे के अंदर जाते हैं, आप उसे छूते हैं। आप दरवाजे से बाहर आते हैं, आप उसे छूते हैं।

शब्द, शब्द। भजनकार कहता है कि वह जानता है कि तुम कब अंदर जाते हो और कब बाहर आते हो। निश्चित रूप से, यह जीवन का प्रतिनिधित्व करता है।

जीने का काम। ताकि जब आप और मैं अपने जीवन के द्वार से अंदर-बाहर जाएँ, तो खून, खून। जब आप और मैं अपने जीवन के द्वार से अंदर-बाहर जाएँ, तो शब्द, शब्द।

इसलिए, मुझे पूरा भरोसा है कि यहाँ दरवाजे की चौखट जीवन के व्यवसाय का प्रतीक है। यह अंदर और बाहर जा रहा है। और यह सिर्फ खून नहीं बल्कि शब्द भी है।

ठीक है, अध्याय 12, श्लोक 12। हमने इस बारे में पहले भी बात की है, लेकिन यह इसे और भी सटीक बनाता है। कोई इसे हमारे लिए पढ़े।

नहीं, मनुष्य और जानवर। अखमीरी जानवर। यह एक विचार है।

और मैं मिस्र के सभी देवताओं पर न्याय लाऊंगा। मैं यहोवा हूँ। हाँ, हाँ।

यह मिस्र के सभी देवताओं पर न्याय की पराकाष्ठा होगी। मैं वही हूँ जो मैं हूँ। उनमें से कोई भी नहीं है।

हमने खून के बारे में बात की है। अखमीरी रोटी का एक कारण ऐतिहासिक है, और याद रखें, फसह एक सप्ताह तक चलने वाले पर्व का पहला दिन है। सप्ताह भर चलने वाला पर्व अखमीरी रोटी का पर्व है, और इसका एक कारण ऐतिहासिक है।

रात में संदेश आया। निकल जाओ! इस देश से निकल जाओ! उनकी रोटी अभी तक नहीं फूली थी। उन्हें यात्रा के लिए अखमीरी रोटी लेकर जाना था।

लेकिन श्लोक 14 से 20 में इससे कहीं ज़्यादा कहा गया है। श्लोक 13, सात दिन तक तुम अखमीरी रोटी खाओगे। पहले दिन, तुम अपने घरों से खमीर निकाल दोगे।

और आज इज़राइल में, यह एक पारिवारिक अनुष्ठान है। माँ घर में विभिन्न स्थानों पर कुछ खमीर छिपाती है, और बच्चों को उसे ढूँढ़ना पड़ता है। और इसलिए, यह ईस्टर अंडे की खोज का उनका संस्करण है।

खमीर का शिकार। पहले दिन तुम एक पवित्र सभा आयोजित करोगे। इन दिनों कोई काम नहीं करना चाहिए, लेकिन सभी को जो खाने की ज़रूरत है, उसे ही तुम तैयार कर सकते हो।

तुम अखमीरी रोटी का पर्व मनाना। श्लोक 18, पहले महीने में, महीने के 14वें दिन की शाम से, महीने के 21वें दिन की शाम तक, तुम अखमीरी रोटी खाना। सात दिन तक, तुम्हारे घर में कोई खमीर नहीं पाया जाना चाहिए।

यदि कोई व्यक्ति खमीरी वस्तु खाए, तो वह व्यक्ति इस्राएल की मण्डली से नाश किया जाए। चाहे वह प्रवासी हो या देशी, तुम खमीरी वस्तु न खाना। अपने सभी निवासों में तुम अखमीरी रोटी खाना।

मुझे लगता है कि वह एक बात कहना चाह रहा है। तो, मुद्दा क्या है? हाँ, पूरी बाइबल में खमीर अधर्म का प्रतिनिधित्व करता है। यह पाप का प्रतिनिधित्व करता है।

याद कीजिए जब यीशु ने शिष्यों से कहा, फरीसियों के खमीर से सावधान रहो और उन्होंने सोचा, क्या फरीसी रोटी पका रहे हैं? और आप यीशु को हाँ, हाँ कहते हुए देखते हैं। भगवान, क्या आप निश्चित हैं कि ये सही हैं? अब, खमीर पाप का प्रतिनिधि क्यों होगा? बिल्कुल। यह हर चीज में फैल जाता है, जिस चीज को यह छूता है।

ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे आप कह सकें कि, ठीक है, खमीर, तुम आटे के इस कोने में रहो। यह आटे में से होकर गुज़रेगा। और हम कितनी बार यह भूल जाते हैं।

मैं इस छोटे से पाप को यहीं रख सकता हूँ और अपना जीवन जी सकता हूँ। यह जीवन के हर हिस्से को प्रभावित करता है। खमीर के बारे में और क्या है? यात्रा में उन्होंने अखमीरी रोटी क्यों खाई? क्योंकि खमीर क्षय को बढ़ावा देता है।

हमें फूली हुई रोटी इसलिए पसंद है क्योंकि हमें सड़े हुए आटे का स्वाद पसंद है। तो हाँ, ये दो कारण हैं। यह हर उस हिस्से को संक्रमित करता है, जिस पर यह छूता है, और सड़न को बढ़ावा देता है।

यह एक तरह का फफूंद है। मेरा एक दोस्त है जो मशरूम नहीं खाता। उसने कहा कि मुझे फफूंद खाने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

आप जानते हैं, यह कुछ-कुछ उसी तरह है। क्या हम फफूंद खाएँगे? हाँ, ऐसा लगता है। लेकिन यही हो रहा है, और फसह के संदर्भ में, यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक पाप है जिसने मेमे की मृत्यु का कारण बना।

यहाँ फिर से, मुझे ऐसा लगता है कि हम इसे अलग कर देते हैं। मुझे माफ़ कर दिया गया है इसलिए मैं पाप करना जारी रख सकता हूँ। मुझे लगता है कि फसह और अखमीरी रोटी के पर्व का संबंध एक बात को स्पष्ट करता है।

नहीं। जैसा कि मैं एक सदस्यता अनुष्ठान से परिचित हूँ, कहता है, मैं सभी पापों का त्याग करता हूँ। अगर भगवान इस बात का ध्यान रखते हैं, तो मुझे लगता है कि जब हम अंतिम निर्णय पर पहुँचेंगे तो कुछ लोगों को समस्या हो सकती है।

नहीं, सभी पर्व, सभी पाप नहीं हैं। हाँ। मैं उस जीवन में नहीं जीने जा रहा हूँ जिसने मेमे को मार डाला।

मैं इस पर आगे नहीं जा रहा हूँ। अब फिर से, क्या वह हमें माफ़ कर देता है जब हम अपने सबसे अच्छे इरादों से चूक जाते हैं? हाँ, वह करता है। लेकिन क्या हमें इस आश्वासन में जीना चाहिए कि मैं नरक की तरह जी सकता हूँ और बस स्वीकारोक्ति और पश्चाताप कर सकता हूँ? यह सब ठीक रहेगा।

हाँ। और फिर, जैसा कि मैंने कहा, यह मुझे चिंतित करता है जब हर रविवार को हम कहते हैं, मुझे पश्चाताप है, लेकिन मैं अगले रविवार को फिर से वही बातें कबूल करने जा रहा हूँ। हाँ, हाँ, यह अच्छी तरह से हो सकता है।

लेकिन फिर से, मैं कहना चाहूँगा कि ये नए अनजाने पाप हैं। मैं फिर से कहता हूँ, क्या एक विवाह संबंध टिक सकता है जहाँ हर हफ्ते, एक साथी जानबूझकर वही करता है जो दूसरे साथी को नापसंद है? और मुझे लगता है कि इसका उत्तर, निश्चित रूप से, नहीं है। आप किन चीज़ों के बारे में बात कर रहे हैं? पढ़ने के लिए पोस्ट किया गया है।

ओह, ओह, हाँ। मैं भी। हाँ, हाँ।

कुछ मामलों में, यह एक बहुत ही प्राचीन धार्मिक अनुष्ठान है, जिसे चर्च गलत तरीके से कह रहा है, जहाँ तक मेरा मानना है, लंबे समय से। अन्य मामलों में, यह कुछ ऐसा है जो किसी ने कल लिखा है। हाँ, हाँ, हाँ।

ठीक है। 21 से 42. अब, ध्यान दें कि परमेश्वर यहाँ चीज़ों के पीछे नहीं छिपता है।

श्लोक 23, प्रभु मिस्रियों को मारने के लिए गुजरेगा। और जब वह चौखट और दोनों चौखटों पर खून देखेगा, तो प्रभु दरवाजे को पार कर जाएगा और विध्वंसक को तुम्हारे घरों में घुसने नहीं देगा ताकि तुम पर हमला कर सको। फिर से, हमने अतीत में इस बारे में थोड़ी बात की है, और मुझे लगता है कि यह हमारी अपनी सोच के लिए महत्वपूर्ण है अगर मैं आप तक पहुँच सकता हूँ।

क्या भगवान मृत्यु का कारण बनते हैं? और इसका उत्तर है हाँ। लेकिन वह तत्काल कारण नहीं हैं। तो, अगर मैं बीमार हूँ, तो इसका कारण कौन है? भगवान।

क्या? भगवान स्वर्ग में बैठे थे और उन्होंने कहा, हम्म, मुझे लगता है कि ओसवाल्ट को आज फ्लू के एक अच्छे मामले से लाभ होगा। नहीं। लेकिन उसने एक ऐसी दुनिया बनाई जिसमें पाप के कारण ये सब होता है, और अगर वह चाहे तो इसे रोक सकता है।

यहाँ तकनीकी शब्द प्राथमिक कारण और द्वितीयक कारण है। अब, जहाँ तक इब्रानियों का सवाल है, वे कहेंगे, हुह, जैसा कि मेरे यहूदी प्रोफेसर ने स्नातक विद्यालय में कहा था, आप बोलोग्रा को बहुत पतला काट रहे हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यह पहचानना मददगार है कि ईश्वर दुनिया में होने वाली हर चीज़ का तुरंत कारण नहीं बनता है।

यही इस्लाम है। अल्लाह सब कुछ होने का फैसला करता है, और इसलिए, यह सही है, बेशक। मुझे लगता है कि बाइबल इससे पीछे हटती है।

इसमें कहा गया है, हाँ, हाँ, यहोवा ही आखिरकार हर चीज़ का कारण है। उसकी इच्छा के विरुद्ध कोई कारण नहीं है। अगर शैतान को अय्यूब को लुभाने की अनुमति दी गई है, तो यह केवल इसलिए है क्योंकि परमेश्वर ने इसकी अनुमति दी है।

ऐसा नहीं है कि शैतान कहता है, मैं अय्यूब को लुभाने जा रहा हूँ। और परमेश्वर कहता है, अरे शैतान, काश तू ऐसा न करता। और शैतान कहता है, मुझे परवाह नहीं कि तू क्या चाहता है।

मैं उसे लुभाने जा रहा हूँ। ज़रा भी नहीं। अरे, शैतान, क्या तुमने अय्यूब को देखा है? हाँ, क्या हुआ? वह एक आदर्श व्यक्ति है, है न? तमीम।

नूह भी एक तमीम आदमी है। हाँ, क्योंकि आप उसे पैसे देते हैं। ओह, आपको लगता है कि यही वजह है? ज़रूर।

वरना कोई तुम्हारी सेवा क्यों करेगा? ठीक है। उसका वेतन छीन लो। क्या तुम यह चाहते हो? मैं यह कर सकता हूँ? हाँ, ज़रूर।

ओह, यह देखो, भगवान। वह तुम्हारे मुँह पर तुम्हें शाप देगा। और जब अय्यूब की पत्नी कहती है, अरे मूर्ख, भगवान को शाप दे और मर जा।

वह कहता है, प्रिये, क्या हमें उसके हाथ से अच्छाई स्वीकार करनी चाहिए और बुराई नहीं? और शैतान पृष्ठभूमि में अपने दांत पीस रहा है। अय्यूब के बारे में क्या, शैतान? तुमने मुझे उसकी त्वचा को छूने नहीं दिया। ओह, तुम्हें लगता है कि इससे कोई फर्क पड़ेगा? हाँ।

शारीरिक स्वास्थ्य के लिए इंसान कुछ भी कर सकता है। हमारे देश को देखिए, और आप समझ जाएंगे कि शैतान क्या कह रहा है। वह शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अपनी आत्मा तक बेच सकता है।

आगे बढ़ो। इसे ले जाओ। क्या? मैं यह कर सकता हूँ। उह-हह।

इस दुनिया में परमेश्वर की अनुमति के बिना कुछ भी नहीं होता। और इसका मतलब है, वही जो पौलुस ने कुरिन्थियों में कहा है। कोई परीक्षण नहीं है।

हम प्रलोभन को बुराई करने के प्रलोभन के रूप में समझते हैं, लेकिन यह शब्द उससे भी बड़ा है। ऐसा कोई भी परीक्षण नहीं है जो आपके सामने आया हो और जिससे बचने का रास्ता ईश्वर ने न बनाया हो। अगर वह इसे आने देता है, तो इससे बाहर निकलने का रास्ता है।

अब, मुझे आपसे यह कहना है कि मेरे जीवन में, मैं बहुत सी ऐसी परिस्थितियों से मुक्त हो चुका हूँ। लेकिन मैं यह विश्वास के साथ कहता हूँ और मैं इसे कई अन्य लोगों के उदाहरण के साथ कहता हूँ जो भयानक परीक्षणों से गुज़रे हैं और फिर भी उन्होंने ईश्वर में इनसे विजय पाने का मार्ग खोज लिया है। ठीक है।

ओह, इससे पहले कि मैं तुम्हें जाने दूँ, रूथ ने पिछले हफ़्ते पूछा था, मेरा एक सवाल था: आस्था और विश्वास में क्या अंतर है? और मैं तुम्हें जाने देने से पहले इस बारे में बात करना चाहता हूँ। मुझे नहीं लगता कि यहाँ और कुछ है जिसके बारे में मुझे बात करनी है। मैं इसे बहुत ही संक्षेप में कहूँगा।

विश्वास बौद्धिक स्वीकृति है। शैतान यीशु पर विश्वास करते हैं। वे जानते हैं कि वह कौन है।

और यीशु उनसे चुप रहने के लिए कहता रहा। मैं नहीं चाहता कि तुम ऐसा कहो। क्यों? क्योंकि वह विश्वास के पीछे नहीं है।

आस्था क्या है? आस्था का मतलब है सत्य के बारे में कुछ निश्चित विश्वासों के आधार पर सब कुछ जोखिम में डालना। अब, बाइबल हमेशा इस बात को अलग नहीं करती। कई बार बाइबल इस अर्थ में विश्वास शब्द का इस्तेमाल करती है।

और आपको बस उस संदर्भ के प्रति सचेत रहना है कि वहां क्या हो रहा है। लेकिन तकनीकी शब्दों में, यही अंतर है। तो, आप भगवान में विश्वास करते हैं, तो शैतान भी ऐसा ही करते हैं।

लेकिन शैतान अपनी निजी शक्ति और नियंत्रण को परमेश्वर को नहीं सौंपना चाहते। बेशक, उन्होंने जो किया है, वह शैतान को सौंपना है - बहुत ही बुरा चुनाव।

लेकिन यही तो अंतर है। ठीक है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

यह डॉ. जॉन ओसवाल्ट द्वारा निर्गमन की पुस्तक पर दिया गया उपदेश है। यह सत्र 6, निर्गमन 11-12 है।